

ROLL NO.

--	--	--	--	--



**INDIAN SCHOOL SALALAH**  
**FINAL EXAMINATION, FEBRUARY 2025 (AY 2024-25)**



**Hindi Course - B (Code 085)**

**Class : IX**

**Date: 13.02.25**

**Time: 3 Hrs**

**Maximum Marks:80**

- इस प्रश्न-पत्र में कुल चार खंड हैं।
- प्रश्नों को ध्यान से पढ़कर केवल आवश्यक प्रश्नों के उत्तर लिखें।

**खंड - क (अपठित बोध)**

**01. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-1+1+1+2+2**

विद्या+अर्थी अर्थात् विद्या के हेतु जिसका जन्म हो वह है विद्यार्थी। लेकिन नित्य बढ़ती अनुशासनहीनता के कारण आज कल के विद्यार्थियों ने उसका अर्थ बदल दिया है। वह इस प्रकार है जो विद्या की अर्थी निकाल दे वही विद्यार्थी है। विद्यार्थियों में बढ़ती अनुशासनहीनता के कारणों में संभवतः सर्वाधिक मुख्य कारण यह भी है कि प्रायः विद्यार्थी अनुशासन के लाभों से अपरिचित होते हैं। उन्हें ज्ञान नहीं होता कि अनुशासन से जीवन सुखी एवं शांत बन जाता है। अनुशासनहीनता का दूसरा कारण यह है कि आज की शिक्षा-प्रणाली में आचरण को केवल व्यक्तिगत विषय समझ लिया गया है। विद्यार्थी को आचरण संबंधी शिक्षा नहीं दी जाती है तथा पुस्तकीय ज्ञान को ही सब कुछ मान लिया जाता है। फलतः विद्यार्थी की चंचल मानसिक प्रवृत्ति निरंतर उद्वेगता की ओर उन्मुख होती चली जा रही है; अतः यह आवश्यक है कि हम अपनी शिक्षा-पद्धति में सुधार करें तथा आचारशास्त्र को ही आरंभिक कक्षाओं में अनिवार्य तथा उच्च-कक्षाओं में वैकल्पिक विषय के रूप में स्थान दें। इसके साथ ही हमें विद्यार्थियों को यह बताना चाहिए कि अनुशासन किस प्रकार से उनकी भावी जीवन के विकास में सहायक बन सकता है। हमें विद्यार्थियों को इस बात की शिक्षा देनी चाहिए कि अनुशासन के माध्यम से मन पर नियंत्रण करने की कला भी आती है। मन को अपने वश में रखने की कला सीख लेने से यह लाभ होता है कि जीवन में प्रगति के पथ पर बढ़ते समय कोई रुकावट नहीं आती, लेकिन जो व्यक्ति अपने मन पर शासन करने की कला में प्रवीण नहीं हो पाते, उन्हें सदैव परमुखापेक्षी रहना पड़ता है।

क) विद्यार्थियों में बढ़ती अनुशासनहीनता का मुख्य कारण है-

- i) खेल में अत्यधिक रुचि होना
- ii) अनुशासन के लाभों से परिचित न होना
- iii) मन का अत्यधिक चंचल होना
- iv) परिपक्वता का अभाव

ख) मन को वश में रखने की कला सीखने का क्या लाभ है?

- i) जीवन में प्रगति-पथ निर्बाध हो जाता है
- ii) कार्य-कुशलता का विकास होता है
- iii) शिक्षा-प्रणाली में आचरण की शिक्षा का अभाव
- iv) शिक्षण साधनों का अभाव

ग) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए

विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए:-

कथन (A) - विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता का मुख्य कारण आज की शिक्षा-प्रणाली में आचरण को केवल व्यक्तिगत विषय समझ लिया जाता है।

कारण (R) - विद्यार्थी को आचरण संबंधी शिक्षा नहीं दी जाती है तथा पुस्तकीय ज्ञान को ही सब कुछ मान लिया जाता है।

- i) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं
- ii) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है
- iii) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है
- iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

**वर्णनात्मक प्रश्न-**

घ) विद्यार्थियों को अनुशासन के लाभों से परिचित कराना क्यों आवश्यक है?

ड) विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता का दूसरा कारण क्या है?

02. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:- 1+1+1+ 2+2

भारतीय पर्व और त्योहार भारतीय संस्कृति की एक अनमोल धरोहर हैं, जो देश की विविधता और एकता का प्रतीक हैं। भारत में विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग अलग-अलग त्योहार मनाते हैं, जिसमें दीवाली, होली, ईद, क्रिस्मस, बैसाखी और पोंगल शामिल हैं। प्रत्येक त्योहार का अपना धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व होता है, जो समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देता है। दीवाली को रोशनी का पर्व कहा जाता है जो अंधकार पर विजय का प्रतीक है। होली रंगों का त्योहार है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उसी प्रकार ईद भाईचारे और दया का संदेश देती है जबकि क्रिस्मस प्रेम और करुणा का प्रतीक माना जाता है। इन त्योहारों का आयोजन समाज में मेलजोल और सहिष्णुता की भावना को प्रबल करता है। लोग एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होते हैं, जिससे आपसी समझ और सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ता है। भारतीय त्योहारों का यह जीवंत स्वरूप विश्व भर में सराहा जाता है और भारत की अनूठी पहचान को दर्शाता है। इन त्योहारों के माध्यम से भारतीय समाज को एकता का संदेश मिलता है और समाज में प्रेम और भाईचारे का संचार होता है।

i) उपर्युक्त गद्यांश का मूल भाव क्या है?

- |                       |                    |
|-----------------------|--------------------|
| क) भारतीय त्योहार     | ख) धार्मिक विश्वास |
| ग) समाज में सहिष्णुता | घ) सांस्कृतिक एकता |

ii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से एक

सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) - त्योहारों के माध्यम से भारतीय समाज को एकता का संदेश मिलता है।

कारण (R) - त्योहार लोगों में आपसी भेदभाव पैदा करते हैं।

- क) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है  
 ख) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है  
 ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं  
 घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं

iii) भारतीय त्योहारों का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- |                                   |                                       |
|-----------------------------------|---------------------------------------|
| क) धार्मिक विचारों का आदान-प्रदान | ख) आर्थिक लाभ                         |
| ग) कृषि में सुधार लाना            | घ) लोगों में मेलजोल और भाईचारा बढ़ाना |

**वर्णनात्मक प्रश्न-**

iv) दीवाली, ईद और क्रिसमस आदि त्योहारों से मिलनेवाले संदेश को लिखिए।

v) विश्वभर में किसकी सराहना होती है और क्यों?

**खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण)**

03. शब्द और पद पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-
- (क) शब्द किसे कहते हैं? 1
- (ख) रेखांकित शब्द है या पद? 1X1=1  
गंगा हिमालय से निकलती है।
04. किन्हीं दो शब्दों में अनुस्वार या अनुनासिक लगाकर शब्दों को पुनः लिखिए:- 2X1=2
- क) सस्कृति      ख) साझा      ग) वसत
05. किन्हीं दो शब्दों से उपसर्ग तथा मूलशब्द अलग करके लिखिए:- 2X1=2
- क) आशंका      ख) अत्याचार      ग) दुर्गंध
- (ii) निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए:- 2X1=2
- क) ईश्वरीय      ख) सम्मानित
06. किन्हीं तीन का संधि विच्छेद कीजिए:- 3X1=3
- क) महौदार्य      ख) देवर्षि      ग) तथैव      घ) परमानंद
07. किन्हीं दो वाक्यों में उचित स्थान पर विराम चिह्न लगाकर वाक्यों को पुनः लिखिए:- 2X1=2
- क) सुरेश ने कहा पृथ्वी गोल है
- ख) क्या कोई तारे गिन सकता है
- ग) हाय बेचारा मारा गया
08. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों का अर्थ की दृष्टि से भेद लिखिए:- 3X1=3
- क) दीवार पर मत लिखो।
- ख) ईश्वर आपको सुख और शांति दें।
- ग) शायद वह कल यहाँ पहुँच जाए।
- घ) महिमा कल स्कूल नहीं गई।

**खंड - ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)**

09. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए हुए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए:-

5X1=5

कलकत्ता में सरकारी नौकरी के दौरान उन्होंने अपने स्वाभाविक रुझान को बनाए रखा। दफ्तर से फुर्सत पाते ही वे लौटते हुए बहू बाज़ार आते, जहाँ 'इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ़ साइंस' की प्रयोगशाला थी। यह अपने आप में एक अनूठी संस्था थी, जिसे कलकत्ता के एक डॉक्टर महेंद्रलाल सरकार ने वर्षों की कठिन मेहनत और लगन के बाद खड़ा किया था। इस संस्था का उद्देश्य था देश में वैज्ञानिक चेतना का विकास करना। अपने महान उद्देश्यों के बावजूद इस संस्था के पास साधनों का नितांत अभाव था। रामन इस संस्था की प्रयोगशाला में कामचलाऊ उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए शोधकार्य करते। यह अपने आप में एक आधुनिक हठयोग का उदाहरण था, जिसमें एक साधक दफ्तर में कड़ी मेहनत के बाद बहू बाज़ार की इस मामूली-सी प्रयोगशाला में पहुँचता और अपनी इच्छाशक्ति के जोर से भौतिक विज्ञान को समृद्ध बनाने के प्रयास करता। उन्हीं दिनों वे वाद्ययंत्रों की ध्वनियों के पीछे छिपे वैज्ञानिक रहस्यों की परतें खोलने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अनेक वाद्ययंत्रों का अध्ययन किया जिनमें देशी और विदेशी, दोनों प्रकार के वाद्ययंत्र थे।

**क) वेंकट रामन् कहाँ नौकरी करते थे?**

- |                                    |                                       |
|------------------------------------|---------------------------------------|
| i) बंगाल सरकार के वित्त विभाग में  | ii) बंगाल सरकार के अनुसंधान विभाग में |
| iii) भारत सरकार के वित्त विभाग में | iv) भारत सरकार के अनुसंधान विभाग में  |

**ख) 'इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ़ साइंस' का उद्देश्य क्या था?**

- |                    |                                   |
|--------------------|-----------------------------------|
| i) धन कमाना        | ii) नाम कमाना                     |
| iii) नई खोजें करना | iv) वैज्ञानिक चेतना का विकास करना |

**ग) आधुनिक हठयोग का क्या आशय है?**

- |                         |                                      |
|-------------------------|--------------------------------------|
| i) नई तरह की हठ-साधना   | ii) नए जमाने का शौक                  |
| iii) अपनी जिद पूरी करना | iv) हठपूर्वक आधुनिक खोज में लगे रहना |

**घ) वेंकट रामन् की सफलता के लिए किसे कारण मान सकते हैं?**

- |                       |                   |
|-----------------------|-------------------|
| i) भाग्य              | ii) समय की लीला   |
| iii) दृढ़ इच्छा-शक्ति | iv) महत्वाकांक्षा |

ड) वेंकट रामन् वाद्य-यंत्रों की ओर क्यों आकृष्ट हुए?

- i) उनकी ध्वनियों का अध्ययन करने के लिए
- ii) उनकी ध्वनियों की मधुरता का अध्ययन करने के लिए
- iii) उनकी ध्वनियों की विविधता का अध्ययन करने के लिए
- iv) उनकी ध्वनियों के पीछे छिपे वैज्ञानिक रहस्यों को जानने के लिए

10. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के 25-30 शब्दों में उत्तर लिखिए:- 3X2=6

क) लेखक ने अतिथि का स्वागत कैसे किया और वह क्यों चाहता था कि अतिथि जल्द ही लौट जाए?

ख) गांधीजी से मिलने आनेवालों के लिए महादेव भाई क्या करते थे?

ग) लेखक ने बुढ़िया के दुःख का अंदाजा कैसे लगाया?

घ) चंद्रशेखर वेंकट रामन के जीवन से नई पीढ़ी को क्या सीख मिलती है?

11. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए हुए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए:- 5X1=5

यहीं इस गली में बनती हैं

मुल्क की मशहूर अगरबतियाँ

इन्हीं गंदे मुहल्लों के गंदे लोग

बनाते हैं केवड़ा, गुलाब, खस और रातरानी अगरबतियाँ

दुनिया की सारी गंदगी के बीच

दुनिया की सारी खुशबू

रचते रहते हैं हाथ

खुशबू रचते हैं हाथ

खुशबू रचते हैं हाथ।

क) इस कविता के कवि कौन हैं?

i) हरिवंशराय बच्चन

ii) स्वामी आनंद

iii) अरुण कमल

iv) रामधारी सिंह दिनकर

ख) इन पंक्तियों में किसकी दुर्दशा का वर्णन किया गया है?

- i) अगरबत्ती बनाने वाले मज़दूरों की      ii) मोमबत्ती बनाने वाले मज़दूरों की  
iii) घर बनाने वाले मज़दूरों की      iv) सामान ढोने वाले मज़दूरों की

ग) मज़दूरों के जीवन की क्या विडंबना है?

- i) भरपेट रोटी नहीं मिलती      ii) शोषण  
iii) बड़े महलों में रहते हैं      iii) दूसरों का अभाव मिटानेवाले स्वयं अभावग्रस्त हैं

घ) 'खुशबू रचते हैं हाथ' से क्या तात्पर्य है?

- i) मज़दूर गंदगी से खुशबू रचते हैं      ii) खुशबू बनाने वाले लोग बहुत गंदे होते हैं  
iii) मज़दूर गंदी बस्तियों में रहते हैं      iv) गंदे वातावरण में गुज़र-बसर करनेवाले मज़दूर  
खुशबूदार अगरबत्तियाँ बनाते हैं

ङ) समाज को खुशबू देने वाले लोग गंदी जगहों पर रहने के लिए क्यों मजबूर हैं?

- i) उनके पास इतना पैसा नहीं कि वे अच्छी जगह पर मकान बना सकें  
ii) उनको उपेक्षित नज़रों से देखा जाता है  
iii) उनका शोषण होता है  
iv) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं

12. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के 25-30 शब्दों में उत्तर लिखिए:-      3X2=6

क) 'अग्नि पथ' कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

ख) हमें अपना दुख दूसरे पर क्यों नहीं प्रकट करना चाहिए? अपने मन की व्यथा दूसरों से कहने पर उनका व्यवहार कैसा हो जाता है?

ग) जब प्रेमी आल्हा गाता है तब प्रेमिका पर उसके गीत का क्या असर पड़ता है?

घ) रैदास ने अपने और प्रभु के अटूट संबंध का वर्णन कैसे किया है?

13. संचयन (भाग-1) के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में

लिखिए:-      2X4=8

क) गिल्लू और लेखिका के मधुर संबंधों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

ख) कल्लू कुम्हार का नाम उनाकोटी के साथ किस प्रकार जुड़ गया?

ग) लेखक द्वारा पहली पुस्तक खरीदने की घटना को अपने शब्दों में लिखिए।

**खंड - घ (रचनात्मक लेखन)**

14. संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए:- 1X5=5

क) प्रदूषण की समस्या

- प्रदूषण का अर्थ
- प्रदूषण के कारण
- समाधान

ख) मोबाइल फोन - लाभ या हानि

- मोबाइल फोन का आकर्षण
- लाभ
- हानि

ग) मेरे जीवन का लक्ष्य

- भूमिका
- लक्ष्य की आवश्यकता
- प्रेरणा के आधार

15. अपने विद्यालय में मनाए गए गणतंत्र दिवस का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

**अथवा**

जंक फूड न खाने की सलाह देते हुए अपनी छोटी बहन को पत्र लिखिए। 1X5=5

16. सर्दी की छुट्टी बिताकर लौटे दो मित्रों की बातचीत को लगभग 100 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए। 1X5=5

**अथवा**

गाँव में बाढ़ आ गई है। दो मित्र उन पीड़ितों की सहायता के लिए जाना चाहते हैं। आप उन दो मित्रों की बातचीत को लगभग 100 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

17. निम्नलिखित चित्र को देखकर अपने मन में उभरनेवाले विचारों को लगभग 100 शब्दों में लिखिए:-

1X5=5

